सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 78 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

युद्ध के लिए तैयार रहना शांति बनाये रखने के सबसे प्रभावी साधनों में से एक है।
-जार्ज वाशिंगटन

केंद्रीय अनुबंध में ईशान और श्रेयस... 7 | न्यायपालिका के खिलाफ बोल... 3 | दलितों पर अत्याचार में यूपी... 2

सरकार का षड्यंत्र, खतरें में लोकतंत्र!

पक्ष-विपक्ष कर रहा एक-दूसरे पर लगातार प्रहार

» चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को क्यों हटाया?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग पर अभूतपूर्व हमले हो रहे हैं। नेताओं की भाषा ऐसी हो गई है जिससे लोकतंत्र का सौंदर्य तो धूमिल हो ही रहा है वहीं बयानों से ऐसा लग रहा है जैसे उसकी शवयात्रा निकाली जा रही हो।

सांसद पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को मुस्लिम आयुक्त कह कर संबोधित कर रहे हैं, वहीं विदेश की धरती से महाराष्ट्र चुनाव में 36 लाख वोटर्स के जुड़ने का मुद्दा तूल पकड़ रहा हो तो सवाल उठना लाजमी है कि क्या लोकतंत्र खतरें में हैं। जैसा कि विपक्ष कह रहा है। क्या हम अब संस्थाओं की पहचान उनके काम से नहीं बल्कि धर्म से तय करेंगे? जैसा कि लोकतंत्र के प्रहरी सांसद बता रहे हैं।

मशीन नहीं, मर्जी से आ रहे हैं नतीजे!

चुनाव आयोग हमेशा से लोकतंत्र का वो स्तंभ रहा है जिस पर हारने वाला भी भरोसा करता था। लेकिन हाल के वर्षों में जब-जब चुनाव होते हैं ईवीएम की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। विपक्ष कहता है कि मशीन नहीं, मर्जी से नतीजे आते हैं। सत्ता पक्ष कहता है कि विपक्ष हार रहा है तो ऐसी बात करता है। राहुल गांधी जब बोस्टन यूनिवर्सिटी से ये सवाल करते हैं कि क्या भारत में निष्पक्ष चुनाव हो रहे हैं तो सिर्फ एक सवाल नहीं उठता एक पूरी व्यवस्था का आइना सामने आता है। बीजेपी कहती है कि राहुल देश को बदनाम कर रहे हैं।

36 लाख वोटर्स महाराष्ट्र चुनाव में जुड़ने का मुद्दा तूल पकड़ रहा हो तो सवाल उठना लाजमी है कि क्या लोकतंत्र खतरें में हैं।

राहुल गांधी को और भारी शब्द इस्तेमाल करने चाहिए थे : राशिद अल्वी

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी खुलकर मैदान में है। उन्होंने भी राहुल गांधी का समर्थन यह कहते हुए किया है कि राहुल गांधी ने बहुत ही हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्हें और भारी शब्द इस्तेमाल करना चाहिए थे। राशिद अल्वी ने सरकार से पूछा है कि मौजूदा सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को क्यों हटाया? अब, शीर्ष अधिकारी की नियुक्ति प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और एक कैबिनेट मंत्री द्वारा की जाती है। यह स्पष्ट रूप से चुनाव आयुक्त को सरकार के हाथों का खिलौना बनाता है। उन्होंने कहा है कि हम कैसे कह सकते हैं कि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करा रहा है हमने देखा है कि महाराष्ट्र और हरियाणा में क्या हुआ। स्वतंत्र संवैधानिक संगठन होने के नाते ईमानदारी से चुनाव कराना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं जब पूरा विपक्ष बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहा है, तो सरकार ऐसा करने को तैयार क्यों नहीं है।

चुनाव आयोग को अनियमितताओं का जवाब देना चाहिए : उदितराज

अगर सत्ता और विपक्ष इसी तरह एक-दूसरे की नीयत पर सवाल उठाते रहेंगे और संवैधानिक संस्थाएं चुप रहेंगी तो जनता का भरोसा टूटेगा। जब जनता ही निष्पक्षता पर शक करने लगेगी तब लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट जन्म लेगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा है कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है और चुनाव आयोग को मतदाता सूची में हुई अनियमितताओं का जवाब देना चाहिए। उदित राज के मुताबिक सच्चाई यह है कि महाराष्ट्र में महज पांच महीने में 36 लाख मतदाता मतदाता सूची में जुड़ गए। आमतौर पर इतने मतदाता पांच साल में भी नहीं जुड़ते। उदित राज ने कहा है कि दुनिया भर की अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भारत में लोकतंत्र के कमजोर होने की बात कह रही हैं। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सही करार दिया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने जो कहा, वह बिल्कुल सही है। वे संविधान और लोकतंत्र के हित में बोल रहे हैं। भारत में क्या हो रहा है यह दुनिया जानती है।

सांसद बोले- मुस्लिम कमिश्नर

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने न्यायपालिका के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर भी प्रश्नचिन्ह लगाने का काम किया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को उन्होंने मुस्लिम कमिश्नर बताया न कि इलेक्शन कमीशनर। उनके इस आरोप का कुरैशी ने जवाब दिया है और कहा है कि व्यक्ति को उसके काम से याद किया जाना चाहिए न कि उसक धर्मिक पहचान से। दुबे के इस बयान का देश की राजनीति में व्यापक असर हुआ है।

चुनाव आयोग जनता की उम्मीदों का मंदिर

सवाल उठना लाजमी है कि क्या हम सिर्फ एक राष्ट्र बना रहे हैं, या एक ऐसा राष्ट्र बना रहे हैं जिसमें हर नागरिक की आवाज़ सुनी जाए चुनाव आयोग सिर्फ एक दफ्तर नहीं बल्कि यह जनता की उम्मीदों का मंदिर है। अगर वहां भी राजनीति घुस जाए तो फिर लोकतंत्र कहां बचेगा। अगर आज सवाल पूछने वालों को देशद्रोही कहा जाएगा और जवाब देने वालों को महिमामंडित किया जाएगा तो हमे यह याद रखना चाहिए कि इतिहास गूंगा नहीं होता वह गवाह भी होता है और न्यायाधीश भी। आप यकीन जनयि कि भारत का लोकतंत्र अभी जिन्दा है लेकिन विपक्ष के मुताबिक उसे वेंटिलेटर पर डालने की तैयारियां चल रही है।अब भी वक्त है सत्ता और विपक्ष दोनों आत्ममंथन करें। चुनाव आयोग अपनी गरिमा लौटाए और जनता वह सवाल पूछना बंद न करे। क्योंकि सवाल नहीं होंगे तो जवाब सिर्फ सत्ता के इशारे पर आएंगे।

दलितों पर अत्याचार में यूपी सबसे आगे : अखिलेश

» भाजपा शासित राज्यों में गरीब व वंचितों की हालत बदतर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार व भाजपा पर फिर जोरदार हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि दलितों पर अत्याचार के मामले में भाजपा सरकार के समय में यूपी नंबर एक बन गया है। दलितों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओड़िशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हो रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश के दलितों के साथ अन्याय और अत्याचार चरम पर है। भाजपा सरकार आरक्षण और आजादी तो छीन ही रही है, अब तो सत्ता संरक्षित प्रभुत्ववादी जान ले रहे हैं। प्रयागराज में गेहूं काटने से इंकार करने पर हुई दलित युवक की हत्या अंदर से हिला देने वाली घटना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग संविधान के भी विरोधी हैं, क्योंकि भाजपा में संगठन और सरकार के प्रमुख पदों पर हमेशा ही केवल कुछ खास लोग विराजमान रहते हैं। भाजपा के अंदर पदनाम भले किसी दलित और पिछड़े को मिल जाए, पर पद का मान कभी नहीं मिलता। उनके नाम से चुनाव लड़े जाते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री का पद तो छोड़ो, उन्हें और भी कोई कुर्सी नहीं दी जाती है।

पूर्व सीएम ने अकबर के किले का किया भ्रमण

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अकबर के किले के साथ-साथ वह अक्षयवट का आर्शीवाद लिया। इसके पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सच्चाई छिपाने और झूठ फैलाने में भाजपा माहिर है। महाकुंभ में भी कुछ इसी तरह का खेल किया गया। सपा मुखिया ने कहा कि पहले किसी सरकार में कोई एक मंत्री प्रोपेगेंडा करता था, लेकिन आज पूरी भाजपा सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही है। यह सरकार तीस मार खां है। हर आंकड़े में 30 आता है। सरस्वती प्रतिमा पर फूल चढ़ाते अखिलेश यादव। अखिलेश ने कहा कि सपा ने 2013 का महाकुंभ सफलता पूर्वक कराया था। इसके अनुभवों के आधार पर हम लगातार सरकार को सुझाव देते रहे, लेकिन भाजपा सरकार इसे आलोचना मानकर इसको नजरअंदाज करती रही।इस दौरान अखिलेश यादव ने वहां उमड़े लोगों से हाथ मिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार्य किया।

भाजपा मूलतः परंपरागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा मूलतः परंपरागत प्रभुत्ववादियों की पार्टी है और वर्चस्ववादी भाजपा के लोगों की बुनियादी सोच सामंतवादी है। इसमें गरीब, वंचित, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आधी आबादी (महिलाओं) और आदिवासियों के लिए सिर्फ अपमान के सिवा कुछ नहीं है।

हाईकोर्ट ने मांगा केंद्र से दस दिन में जवाब

» राहुल की नागरिकता पर कोर्ट में बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से 10 दिन में जानकारी देने को कहा है। राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की भी नागरिकता होने का आरोप है। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर की याचिका पर दिया।

इसमें राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले की सीबीआई जांच की मांग भी की गई थी। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्योरा पेश करने को समय दिया था। केंद्र की ओर से जानकारी पेश नहीं हो सकी। केंद्र के अधिवक्ता एस बी पांडेय ने इसके लिए और समय देने का आग्रह किया। इसपर कोर्ट ने उन्हें जानकारी पेश करने को 10 दिन का और समय दिया। अगली सुनवाई 5 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। याचिका इस दावे के आधार पर दाखिल हुई थी कि राहुल गांधी भारत के बजाय ब्रिटेन के नागरिक हैं। ऐसे में वह संविधान के अनुच्छेद 84(ए) के तहत चुनाव लड़ने को अयोग्य थे। कोर्ट ने बीती जुलाई में राहुल गांधी के सांसद के रूप में चुनाव को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को याची द्वारा वापस लेने पर खारिज कर दिया था।

केंद्र सरकार ने हिमाचल के साथ धोखा किया : नेगी

» राजस्व मंत्री बोले- बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम का नाम बदलना अनुचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी विकास के लिए शुरू की गए बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम (बीएडीपी) का नाम वाइब्रेंट विलेज बदलकर केंद्र सरकार ने हिमाचल के साथ धोखा किया है। बीएडीपी में हिमाचल के दो जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिले के लिए 239 गांवों का चयन किया गया था, वाइब्रेंट विलेज में इनकी संख्या घटाकर 75 कर दी गई है।

राजस्व, बागवानी और जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि 2022 में योजना का नाम बदलकर हिमाचल के साथ धोखा किया गया। कहा कि किन्नौर जिले के दो ब्लॉक कल्पा और पूह पूरे के पूरे बीएडीपी योजना में शामिल थे। प्रदेश ने करीब 1000 करोड़ की डीपीआर इस योजना के तहत केंद्र को भेजी थी लेकिन केंद्र से मदद नहीं मिली। गैप फंडिंग के तौर पर इस योजना के तहत सीमावर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़कें, पेयजल, सिंचाई योजनाएं, स्कूल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी थीं।

चीन का गांव बसाने और सुविधाएं जुटाने पर जोर

नेगी ने फिर दोहराया कि चीन भारत सीमा के साथ लगते अपने इलाकों में गांव बसाकर सड़कों सहित सभी रिहायशी सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है, दूसरी ओर केंद्र सरकार पुरानी योजनाओं के नाम बदलकर लाभार्थी गांवों की संख्या घटाने में लगी है।

सरकार ओबीसी को दे रही धोखा : पटवारी

» बोले पीसीसी चीफ -सरकार कोर्ट का कर रही बहाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। पटवारी ने कहा कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की 15 महीने की सरकार में हमने ओबीसी आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था। मार्च 2019 में 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए अध्यादेश लेकर आए।

फिर भाजपा, आरएसएस और भाजपा समर्थित आरक्षण विरोधी लोगों ने इसको रोकने के लिए एक एमबीबीएस की छात्रा (जो पीजी कर रही थी) से कोर्ट में पिटीशन लगवाई और अध्यादेश पर रोक लगवा दी। पटवारी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ही दो महीने बाद कानून लेकर आई कि ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत होना चाहिए। यानि कांग्रेस पार्टी ने सरकार में रहते हुए विधायिका से 27प्रतिशत आरक्षण लागू कराया, लेकिन जब कार्यपालिका को उस कानून का पालन कराना था उसी दौरान हमारी सरकार चली गई। उसके बाद ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण के सारे विरोधी एकजुट हो गए।जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बजाय सरकार लगातार उन्हें धोखा दे रही है। भाजपा सरकार ने कोर्ट का बहाना बनाकर इस कानून पर अमल नहीं किया। जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने कुछ नौकरियों में तो 27ब आरक्षण दिया, लेकिन कई भर्ती प्रक्रियाओं में फिर से 14ब ही लागू किया। यानि जब चुनाव आता है, तब भाजपा सरकार आरक्षण लागू कर देती है और बाद में उसे रोक देती है। यह सिर्फ दिखावा है।

हर जाति की सही भागीदारी तय हो सके

जीतू पटवारी ने कहा कि जातिगत जनगणना होना बेहद जरूरी है ताकि हर जाति की सही भागीदारी तय हो सके। जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी, यह सामाजिक न्याय की नींव है। उन्होंने बताया कि 20 से ज्यादा युवाओं ने आत्महत्या कर ली क्योंकि उनकी नियुक्तियां वर्षों से रुकी हुई हैं। यह सिर्फ नीति नहीं, बल्कि पाप है। सरकार को शर्म आनी चाहिए। पटवारी ने कहा कि यदि सरकार 27प्रतिशत आरक्षण को तुरंत लागू नहीं करती, तो ओबीसी महासभा पूरे प्रदेश में जन-जागरण अभियान चलाएगी। 27प्रतिशतओबीसी आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए। जातिगत जनगणना मध्यप्रदेश में जल्द से जल्द कराई जाए। कोर्ट के नाम पर ओबीसी वर्ग को गुमराह करना बंद हो। जनता के पैसों से वकीलों को भारी-भरकम फीस देकर आरक्षण रोकने का षड्यंत्र बंद हो। नियुक्ति के रुके हुए मामलों को तत्काल हल किया जाए।

सरकारें दलितों पर हो रहे अन्याय अत्याचार को रोकें : मायावती

» मुरैना मामले का जिक्र कर केंद्र और राज्य सरकार पर भड़कीं बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरैना। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर हो रहे अन्याय-अत्याचार और इनके महान संतों, गुरुओं तथा महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को गंभीरता से लेकर सख्त कार्रवाई कर इन्हें रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।

बसपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में उनकी प्रतिमा का अनादर किया गया। इस मौके पर हुए कार्यक्रम या निकाले गए जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोगों के हताहत होने की घटनाएं अति-शर्मनाक हैं. यह घटनाएं सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण हैं। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुरैना में आंबेडकर जयंती पर जुलूस के दौरान दलित की हत्या और कई लोगों के घायल होने की घटना अति-निन्दनीय है ।

न्यायपालिका के खिलाफ बोल पर बवाल

कानूनी विशेषज्ञों ने धनखड़ व भाजपा सांसद दुबे की टिप्पणियों को बताया गैरजिम्मेदाराना

» कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने कार्रवाई की मांग की

» भाजपा ने दुबे के बयान से कन्नी काटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे की न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर सियासत से लेकर न्यायपालिका के गलियारों में बवाल मच गया है। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने भाजपा पर हमला बोला है वहीं भाजपा ने धनखड़ व दुबे का साथ दिया है। इस बीच भाजपा सांसद निशिकांत पर कोर्ट की अवमानना के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी शुरू हो गई है।

उधर कानूनी विशेषज्ञों ने इन बयानों की निंदा की और इन्हें गैरजिम्मेदाराना बताया तथा कहा कि उच्चतम न्यायालय की गरिमा को बरकरार रखा जाना चाहिए। नखड़ ने न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा निर्धारित करने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने को लेकर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि उच्चतम न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उपराष्ट्रपति की टिप्पणी के बाद, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को शीर्ष अदालत पर निशाना साधते हुए कहा था कि कानून यदि उच्चतम न्यायालय ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए। दुबे ने भारत में धर्म के नाम पर हिंसा के लिए भी प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को जिम्मेदार ठहराया था। दुबे की टिप्पणी केंद्र द्वारा न्यायालय को दिए गए इस आश्वासन के बाद आई कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों को अगली सुनवाई तक लागू नहीं करेगा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने की आलोचना करते हुए कहा कि यह असंवैधानिक है और राज्यसभा के किसी सभापति को कभी भी इस तरह का राजनीतिक बयान देते नहीं देखा गया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे ''पार्टी प्रवक्ता'' नहीं हो सकते। उन्होंने ˙ से कहा कि हर कोई जानता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी वोट नहीं करते हैं, वे केवल तब वोट करते हैं जब बराबरी होती है। उच्च सदन के साथ भी यही बात है। आप विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच समान दूरी पर हैं। सिब्बल का कहना था कि आप जो कुछ भी कहते हैं वह समान दूरी बनाए रखने वाली होनी चाहिए। सिब्बल ने आगे कहा कि जब सरकार के कुछ लोगों को न्यायपालिका के फैसले पसंद नहीं आते तो वे उस पर अपनी सीमा लांघने का आरोप लगाने लगते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें पता है कि संविधान ने अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय देने का अधिकार दिया है? सिब्बल ने कहा कि उपराष्ट्रपति को पता होना चाहिए कि राज्यपाल और राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की 'सहायता और सलाह' पर कार्य करते हैं।

उच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी नही करनी चाहिए

धनखड़ के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि उच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और हर संस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद की टिप्पणियों के बारे में सिंह ने कहा, यदि वह कोई उपाय चाहते हैं तो वे पुनर्विचार याचिका दायर कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने जो कुछ भी कहा है वह अंतिम है और आपको उसका सम्मान करना चाहिए। यही कानून का नियम है। उनके पास यह कहने का कोई आधार नहीं है कि भारत के प्रधान न्यायाधीश दंगों के लिए जिम्मेदार हैं। दंगे, सुनवाई शुरू होने से पहले ही प्रारंभ हो गए थे। (वक्फ संशोधन अधिनियम में) सुनवाई शुरू होने के बाद दंगे नहीं हुए। उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद ही दंगे रोकने में सहायक हुई।

दुबे का निजी विचार : नड्डा

भाजपा ने हालांकि, दुबे की टिप्पणियों से दूरी बना ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इन टिप्पणियों को दुबे का निजी विचार बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका का पार्टी सम्मान करती है।

देश के लोगों को न्यायपालिका पर भरोसा

अधिवक्ता अश्विनी दुबे ने कहा कि चूंकि धनखड़ एक संवैधानिक पद पर हैं, इसलिए उन्हें न्यायपालिका को निशाना बनाने वाली टिप्पणियां करने से परहेज करना चाहिए। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में, प्रत्एक इकाई (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) की स्पष्ट और सीमांकित भूमिका होती है और उन्हें अन्य का सम्मान करना चाहिए। उपराष्ट्रपति का पद संवैधानिक होने के नाते, उन्हें ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। भाजपा सांसद की टिप्पणी पर, शीर्ष अदालत के अधिवक्ता ने कहा, हिंसा के लिए उच्चतम न्यायालय और भारत के प्रधान न्यायाधीश पर आरोप लगाना पूरी तरह से गलत होगा। देश के लोगों को न्यायपालिका पर भरोसा है। भाजपा नेतृत्व ने (दुबे के) बयान से दूरी बना कर सही किया है।

न्यायपालिका सर्वोच्च है और उच्चतम न्यायालय की गरिमा और मर्यादा को बरकरार रखा जाना चाहिए

भाजपा सांसद की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि न्यायपालिका सर्वोच्च है और उच्चतम न्यायालय की गरिमा और मर्यादा को बरकरार रखा जाना चाहिए। मिश्रा ने कहा, भाजपा अध्यक्ष ने इस विवाद पर पूर्ण विराम लगा दिया है। न्यायपालिका सर्वोच्च है। उच्चतम न्यायालय ने जो भी आदेश पारित किया है, वह अंतिम है और अनुच्छेद 142 के तहत शीर्ष अदालत को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, यदि कोई असंतुष्ट है, तो समीक्षा की गुंजाइश है। ऐसे मुद्दों पर सड़कों पर चर्चा नहीं की जानी चाहिए और उच्चतम न्यायालय की गरिमा को बनाए रखा जाना चाहिए।

लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव, लगे सियासी दांव

» आप के विजय रथ का पहिया थामने मैदान में उतरे कांग्रेस और शिअद

» भाजपा की रणनीति अभी बाकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली में हार के बाद आप पंजाब के उपचुनाव में जीत हासिल कर अपनी ताकत का अहसास दिलाने को बेकरार है। हालांकि विपक्ष भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस व शिरोमणि अकाली दल भी उसे पटखनी देने को बेताब है। अब चुनावों के नतीजों के बाद ही पता चलेगा की किसका पलड़ा भारी है।

लुधियाना पश्चिमी के उपचुनाव का मैदान अब रोमांच पकड़ने लगा है। आम आदमी पार्टी (आप) के विजय रथ के पहिये को थामने के लिए कांग्रेस पार्टी के बाद अब शिअद के नए प्रदेशाध्यक्ष ने अपना प्रत्याशी मैदान में उतार दिया है।दिल्ली विधानसभा चुनाव हार के बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विपश्यना से बाहर आने के बाद पंजाब में नई सियासी पारी की जमीन तैयार की है। केजरीवाल की इस नई सियासी एंट्री को रोकने के लिए भाजपा का दांव अभी बाकी है। भाजपा ने लुधियाना पश्चिमी उप चुनाव में अब तक अपना चेहरा सामने नहीं किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर तीन दलों में चुनावी प्रतिद्वंद जोर पकड़ता नजर आ रहा है।

शिअद से परउपकार सिंह घुम्मण मैदान में

सियासी जानकारों की मानें तो दिल्ली में आप के सत्ता में आने से पहले सिसोदिया वो चहरा थे, जो पंजाब में संगठन को मजबूत करने के लिए गली और चौराहे तक नाप चुके हैं। कांग्रेस ने भारत भूषण आशु को अपना चेहरा बनाया है। वह इस सीट पर दो बार पहले भी विधायक रह चुके हैं। बता दें आप के पूर्व विधायक गुरप्रीत गोली ने आशु को 2022 में 7 हजार से अधिक वोटों से हराया था। इस साल जनवरी में गोगी की मृत्यु के बाद इस सीट पर उप चुनाव हो रहा है। उधर अकाली दल के प्रधान पद की दोबारा जिम्मेदारी संभालते सुखबीर बादल ने लुधियाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष परउपकार सिंह घुम्मण को मैदान में उतारा है।

आप व कांग्रेस ने तय किए उम्मीदवार

आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को अपना चेहरा बनाया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव हार के बाद आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की पंजाब के मंत्रियों, विधायकों और सीएम मान के साथ बैठक में यह रणनीति पहले ही बन चुकी थी। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पार्टी का पंजाब प्रभारी बनाकर लुधियाना पश्चिमी उप चुनाव पर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठनात्मक मजबूती का बड़ा दांव खेला है।

भाजपा का दांव बाकी, बिट्टू हार गए थे सांसदी

लुधियाना पश्चिमी उप चुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशी के रूप में अपना दांव अब तक नहीं खेला है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू इस सीट से 2024 में सांसदी हार गए थे। बावजूद भाजपा ने उन्हें केंद्रीय बॉडी में शामिल किया। भाजपा भी सांसदी हार को लुधियाना पश्चिमी सीट के जरिए अवसर के रूप में देख रही है। लुधियाना को एक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। यहां उद्योगों के साथ बड़ी संख्या में प्रवासी वोटर भी हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नशे में ड्राइविंग मानसिक सामाजिक त्रासदी

सेल्फ-मेडिकेशन थ्योरी बताती है कि लोग अक्सर अनसुलझे मानसिक तनाव, चिंता या अवसाद से उबरने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। कई लोग मानसिक अवसाद के चलते आत्महत्या कर लेते हैं और सैकड़ों चुपचाप संघर्ष करते हुए शराब की ओर झुक जाते हैं। युवा इसके दुष्प्रभावों को समझे बिना इसका सेवन करते हैं। नशे में ड्राइविंग के हादसे का अंत दुर्घटना स्थल पर नहीं होता।

मुंबई, दिल्ली से लेकर भारत के लगभग हर हिस्से में नशे में गाड़ी चलाकर लोगों को रौंदने की खबरें आना अब जैसे आम बात हो गई है। भले ही गांव-कस्बों की घटनाएं, शहरों के हादसों की तरह अखबारी सुर्खियां नहीं बटोर पातीं। ये घटनाएं सिर्फ शराब की नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की उस समस्या की ओर इशारा करती हैं, जो गहरे आघात, हताशा, समूह की स्वीकृति और सांस्कृतिक सोच से पैदा हुई है। थ्योरी ऑफ प्लांड बिहेवियर बताती है कि व्यक्ति का व्यवहार उसके रवैये और सामाजिक मान्यताओं से प्रभावित होता है। कॉग्निटिव डिसोनेंस थ्योरी समझाती है कि कैसे ये चालक शराब पीकर वाहन चलाने को सहयात्री दोस्तों के बीच इस तर्क से अपने व्यवहार को उचित ठहराते हैं- 'पहले भी किया है, कुछ नहीं हुआ' या 'पास ही तो जाना है।' सेल्फ-मेडिकेशन थ्योरी बताती है कि लोग अक्सर अनसुलझे मानसिक तनाव, चिंता या अवसाद से उबरने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। कई लोग मानसिक अवसाद के चलते आत्महत्या कर लेते हैं और सैकड़ों चुपचाप संघर्ष करते हुए शराब की ओर झुक जाते हैं।

युवा इसके दुष्प्रभावों को समझे बिना इसका सेवन करते हैं। नशे में ड्राइविंग के हादसे का अंत दुर्घटना स्थल पर नहीं होता। इसमें एक मां अपना बच्चा खो देती है। एक बच्चा अनाथ हो जाता है। एक विधवा को जिंदगी फिर से शुरू करनी पड़ती है। इन हादसों का असर केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक भी होता है। दुर्भाग्यवश, ऐसे पीड़ितों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता लगभग नहीं के बराबर है। वे अकेले अपना दुख झेलते हैं। कई पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, चिंता या अवसाद से ग्रसित हो जाते हैं। प्रत्येक बड़े हादसे के बाद हम काफी खोखले भाषण सुनते हैं। अब हमें यह पूछना चाहिए कि हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता क्यों नहीं है? शराब की लत और मानसिक संकट को जोड़कर देखने वाली नीति कब बनेगी? पीड़ितों के लिए काउंसलिंग और पुनर्वास की व्यवस्था क्यों नहीं है? सबसे जरूरी क्या हम नशे में ड्राइविंग को सिर्फ 'अपराध' समझते रहेंगे या इसे एक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य आपदा भी मानेंगे? जब तक हम सड़कों पर होने वाली इन त्रासदियों के पीछे के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों को नहीं समझेंगे, तब तक ऐसी त्रासद और दु:खद कहानियां घटती रहेंगी। हमें इस समस्या से निपटने के लिए एक ग्रामीण-प्राथमिकता वाला, जन-केंद्रित और संस्कृति-संवेदनशील मॉडल चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पड़ोस में नये गठजोड़ के अशुभ संकेत

ज्योति मल्होत्रा

भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के 'अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप' की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में, बंगाल की खाड़ी के इर्द-गिर्द एक नया समुद्र-मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह 'नव बांग्लादेश' पींघें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में, पाकिस्तान में, शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत'और इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे। शुरुआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह-मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे, इस दौरान 'बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन 'पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार' के लिए माफ़ी की मांग की।

साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बाद- निस्संदेह भारत की कुछ मदद से-4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया। इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे- हालांकि यह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफी से उनके सर्वशक्ति मान सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं। जब भी यह माफ़ी मांगी जाती है- सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी। कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी-छोटी चीजें ही बची हैं।

जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही,

जिन्होंने यह मौका दिया- लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है। इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते बृहस्पतिवार रावलपिंडी में एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट-बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे।'हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं, हमारे विचारों में भिन्नता है, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' की नींव बनी। मुद्दा यह कि हम दो मुल्क हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं'। स्पष्ट रूप से, काबिल जनरल खुद को एक आधुनिक कायदे-आजम के रूप में देख रहे हैं, जिसकी पाकिस्तान को जरूरत है, ताकि ज्यादा दिनों तक खुद को एक जरूरत बनाकर टिकाए रख सकें। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बचाने की आवश्यकता नहीं है - हालात बहुत खराब हैं, न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि राजनीति के भी, यह स्थिति उम्मीद के क्षितिज पर सैन्य प्रतिष्ठान को आसानी से सबसे चमकीला, चमकता सितारा बनाती है - यह अहसास निश्चित रूप से अन्य सब पर भारी है। इस बीच, हमने देखा कि दो उंगलियां अपने गाल पर रखे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जनरल मुनीर की बातें खामोशी से सुन रहे थे। उस वक्त क्या वे अपने जहन में घुमड़ रही यादें यानि बड़े भाई नवाज शरीफ द्वारा भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने के प्रयासों के नतीजे को अलग रख पाए होंगे, जिसके कारण मुशर्रफ़ द्वारा कारगिल पर आक्रमण करने के तुरंत बाद उन्हें अटक जेल में कठोर सजा भुगतनी पड़ी थीं- क्योंकि शहबाज़ जानते हैं कि मुनीर की कृपा के बगैर वे सत्ता में नहीं रह सकते? लेकिन बीते सप्ताहांत का बड़ा सवाल यह है कि क्या आप मानसिक विडंबना के बावजूद दिल खोलकर हंस सकते हैं। आप दुश्मन बनना चाहेंगे या दोस्त? यही बांग्लादेश, जो अब पाकिस्तान की तरफ हाथ बढ़ा रहा है, 53 साल पहले उसने पश्चिमी पाक सैनिकों की मशीनगनों की फायरिंग के सामने 'जॉय बांग्ला'! का उद्घोष करते हुए 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' को इतिहास के कूड़ेदान के हवाले किया था।

हर पल सिर्फ एक बार, न जाये बेकार

रेनू सैनी

जीवन में आने वाले किसी एक संबंध पर एकाग्र होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जीवन में आने वाला एक संबंध व्यक्ति के पूरे जीवनकाल को बदल देता है। आपके जीवन में सौ छोटे-मोटे संबंधों से बेहतर है कहीं एक ऐसा संबंध या जुड़ाव जो आपके पूरे व्यक्तित्व को बदलने की सामर्थ्य रखता हो। जीवन में कई बार ऐसे मोड़ आते हैं जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से पंगु की हालत में आ जाता है। उस समय उसे कोई रास्ता, कोई किरण नज़र नहीं आ रही होती।

जापानी जीवनशैली अत्यंत सुंदर है। यहां के निवासी दीर्घ आयु जीते हैं। इसके पीछे अनेक कारण हैं। वे कई सकारात्मक धारणाओं को हृदय से अपनाते हैं। जापानी अवधारणा का ही एक शब्द है—इची-गो-इची-ए इसका अर्थ होता है 'एक जीवनकाल, एक मुलाकात'। इसको इस तरह भी कहा जा सकता है कि 'हर पल, सिर्फ एक बार।' यह अवधारणा हमें सिखाती है कि हमें हर पल को अनमोल समझना चाहिए। जीवन में आने वाले किसी एक संबंध पर एकाग्र होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जीवन में आने वाला एक संबंध व्यक्ति के पूरे जीवनकाल को बदल देता है। आपके जीवन में सौ छोटे-मोटे संबंधों से बेहतर है कहीं एक ऐसा संबंध या जुड़ाव जो आपके पूरे व्यक्तित्व को बदलने की सामर्थ्य रखता हो। जीवन में कई बार ऐसे मोड़ आते हैं जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से पंगु की हालत में आ जाता है। उस समय उसे कोई रास्ता, कोई किरण नज़र नहीं आ रही होती। ऐसे बुरे वक्त में यदि कोई ऐसा व्यक्ति उसका हाथ थाम ले जो उसके मन को मजबूती दे तो दिशाएं बदल जाती हैं, हवाएं अपना रुख बदल देती हैं।

पायल नाग के हाथ-पैर दोनों ही नहीं हैं। वह बचपन से ऐसी नहीं थी। एक दुर्घटना ने उसके जीवन को भयावह बना दिया। साल 2015 में 11,000 वोल्ट की बिजली की तार छत के ऊपर से गुजर रही थी। उस तार के संपर्क में आने के कारण पायल के हाथ-पैर बेकार हो गए। उस समय उसकी आयु केवल पांच साल थी। जब पायल के साथ यह हादसा हुआ तो कुछ समय तक तो परिवार को समझ ही नहीं आया कि ये उनके साथ क्या घटा है। माता-पिता आर्थिक रूप से विपन्न थे। उस पर लड़की के हाथ-पैर दोनों कट चुके थे। अब उसका आगे का जीवन कैसा होगा? कैसे वह समाज और जीवन में आगे बढ़ेगी? यह प्रश्न परिवार को खाए जा रहा था। माता-पिता जिला कलेक्टर के पास मदद की गुहार लेकर पहुंचे।

वर्ष 2019 में पायल को बालंगीर के पर्वतगिरी बाल निकेतन अनाथालय में रखा गया। वहां पर पायल तीन साल तक रही। वर्ष 2022 में वह जम्मू आ गई और यहीं से उसके जीवन में बड़े बदलाव आने शुरू हुए। कुछ समय बाद यहीं उसके जीवन में एक ऐसा पड़ाव आया जिससे उसके अंदर 'इची-गो-इची-ए' की अवधारणा बलवती हो गई। हालांकि, वह इस जापानी अवधारणा को तो नहीं समझती थी, लेकिन मानवीय संवेदनाओं को अवश्य जानती थी। स्वयं को व्यस्त रखने के लिए उसने मुंह से चित्र बनाने शुरू किए।

उसकी एक तस्वीर वायरल हुई। उस वायरल तस्वीर को देखकर ही कोच कुलदीप वेदवान ने उससे संपर्क किया। जब कोच कुलदीप उससे मिले तो उनकी बात सुनकर पायल बहुत घबरा गई कि वह बिना हाथ-पैरों के तीरंदाजी कैसे करेगी? बस यही वह क्षण था जब कोच कुलदीप ने उसकी मुलाकात को सकारात्मक रुख दिया। उन्होंने उन्हें बिना हाथों के तीरंदाजी करने वाली अनेक हस्तियों के बारे में बताया और कहा कि जब वे सब कर सकते हैं, तो तुम भी कर सकती हो। वैसे भी अभी भी तो तुम बिना हाथ-पैरों के चित्र बना रही हो। इस बात ने पायल को संबल प्रदान किया। जब पायल पहली बार अकादमी गई तो वहां पर सबके हाथ-पैर थे। बच्चे हाथों से धनुष पकड़ते थे। यह देखकर पायल फिर घबरा गई तो कोच ने कहा, 'चिंता मत करो, तुम इन सबसे अच्छा कर सकती हो।' पायल के लिए खास धनुष भी बनाया गया। उससे वह नेशनल चैंपियन बनीं।

जीतने के बाद पायल के अंदर आत्मविश्वास कूट-कूट कर भर गया है। अब वे इसी में अपना करिअर बनाकर देश का नाम रोशन करना चाहती हैं। पायल ने अपने धैर्य और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया है कि इच्छा हो तो हर कठिन मार्ग को पार किया जा सकता है। इची-गो-इची-ए अत्यंत सकारात्मक और सार्थक शब्द है। इस शब्द को प्रत्येक व्यक्ति को न केवल जानना और समझना चाहिए, अपितु अपने जीवन में भी उतारना चाहिए। शब्दों की गहराई में उतरकर ही उसके अर्थ को अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। हो सकता है कि एक अवधि में मिलने वाला कोई व्यक्ति आपको जीवन की नई राहें दिखा दे, आपकी समस्याओं को दूर भगा दे। इसके साथ ही आपके अंदर यह भावना भी अवश्य जन्म लेनी चाहिए कि आप भी किसी के जीवन में इची-गो-इची-ए के माध्यम से उनके मार्ग को सुनहरा बना दें। उनके कांटों को दूर करने में साधक बनें। बाधक जहां नकारात्मक शब्द है, वहीं साधक सकारात्मक और ऊर्जा से भरपूर। ऊर्जा, जोश और आत्मविश्वास व्यक्ति के अंदर हर चुनौती से लड़ने की सामर्थ्य उत्पन्न कर देते हैं। इची-गो-इच-ए की अवधारणा अपने अंतर्मन में उतारें, आपका तन-मन चमत्कृत तरह से जाग्रत हो उठेगा।

गर्मी में शरीर को राहत पहुंचाता है सत्तू से बना ड्रिंक

तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप की वजह से हर कोई परेशान है। कई शहरों में तो अधिकतम तापमान 42 डिग्री के पार तक दर्ज किया जा रहा है। आलम ये है कि तेज धूप के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में कई तरीके अपनाकर लोग गर्मी से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। गर्मी की वजह से शरीर पर कई तरह की परेशानियां सामने आने लगती हैं, जैसे सनबर्न और टैनिंग। इसका इलाज तो हम स्किन केयर करके कर ही लेते हैं। इसके साथ ही गर्मी में शरीर काफी डिहाइड्रेट भी होने लगता है। जिसके लिए ऐसे खान-पान की जरूरत होती है, जो शरीर में होने वाली पानी की कमी को पूरी करें। ऐसे में गर्मियों में सत्तू का ड्रिंक पीना काफी फायदेमंद होता है।

सामग्री

चने का सत्तू - आधा कप, पोदीना के पत्ते -10, नींबू - आधा, हरी मिर्च - आधी, भुना जीरा - आधा छोटी चम्मच, काला नमक - आधा छोटी चम्मच, सादा नमक - स्वादानुसार

फायदा

तेज गर्मी में धूप और लू से बचने के लिए सत्तू का सेवन किया जाता है। अगर आप गर्मी में रोजाना इसका सेवन करेंगे तो पहले तो आपको जल्दी भूख नहीं लगेगी। इसके साथ ही ये आपके शरीर को उर्जावान रखता है। सत्तू का सेवन पेट को ठंडक पहुंचाने में मददगार है।

विधि

गर्मी के दिनों में यूपी और बिहार में सत्तू का सेवन एक स्पेशल ड्रिंक के रूप में किया जाता है। गर्मी में सत्तू बनाने के लिए सबसे पहले आप पुदीने के पत्तों को अच्छे से धोकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसके बाद अब आप हरी मिर्च और प्याज को बेहद ही महीन-महीन काट लें। अब इसके बाद एक कटोरे में ठंडा पानी लें और इसमें थोड़ा-थोड़ा सत्तू मिलाना शुरू करें। सत्तू को इतना घोलें कि इसमें गांठ ना रह जाए। सत्तू को अच्छे से घुल जाने के बाद इसमें भुना जीरा, काला नमक, सादा नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। आखिर में इसमें पुदीना और नींबू का रस डालें। बस आपका ये ड्रिंक तैयार है। अब इसे गिलास में सर्व करें। इसमें ऊपर से बर्फ डालना कतई ना भूलें।

घर पर बनाएं प्याज का अचार

गर्मियों के मौसम में कुछ भी खाने से पहले सोचना पड़ता है। कई बार हल्का सा भी ज्यादा खाने से गर्मियों फूड प्वाइजिंग की समस्या देखने को मिलती है। इस मौसम में डिहाईड्रेशन और थकावट होना बेहद आम बात है। ऐसे में गर्मी के इस मौसम में अपना ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। गर्मियों के मौसम में दिन के समय इतनी तेज धूल भरी आंधी और गर्म हवाएं चलती हैं, कि घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। गर्मी की वजह से कई बार लू लग जाती है तो तबियत बिगड़ने लगती है। ऐसे में डॉक्टर्स सलाह देते हैं कि, खाने में ऐसी चीजों का सेवन किया जाए, जिससे लू लगने की संभावना कम हो और शरीर हाईड्रेटेड रहे। दरअसल, गर्मी में प्याज खाने से शरीर को काफी ठंडक मिलती है तो अगर आप प्याज का सेवन अचार के रूप में करेंगे तो इससे खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा और शरीर को राहत भी मिलेगी।

लू से मिलती है राहत

सामग्री

प्याज, नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर, सौंफ, कलौंजी, मेथी दाना, जीरा, करी पत्ता, खड़ी लाल मिर्च, गुड

विधि

ये प्याज का अचार बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले छोटे प्याज को छांट कर अलग करके साफ करना है। इसके बाद इन प्याज में इस तरह से कट लगाएं कि ये अलग ना हो। प्याज काटने के बाद अब नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर, सौंफ और कलौंजी मिलाकर इसका मसाला तैयार कर लें। इसे तैयार करने के बाद प्याज के बीच में इस मिलाए हुए मसाले को अच्छे से भर लें। इसके बाद एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें मेथी दाना, जीरा, करी पत्ता, खड़ी लाल मिर्च डालकर अच्छे से भूनें। मसाले भुन जाने के बाद इसमें प्याज डालें। जब ये सब पक जाए तो इसमें एक चौथाई कप पानी डालें और साथ में थोड़ा सा गुड़ भी डालें। इसे भी अब पांच से छह मिनट कर पकाएं। बस अब आपका प्याज का अचार तैयार है। इसे खाने के साथ परोसें और खाने के स्वाद को दोगुना करें।

हंसना मना है

एक बार एक अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां किसी को गोरा, किसी को काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं जबकि घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।'

पति-'आज सवेरे शेव करने के पश्चात् मैं महसूस कर रहा था कि मेरी उम्र के दस साल कम हो गए।' पत्नी-'क्या कहते हो! अगर इस स्पीड से प्रतिदिन आयु कम होती चली गई, तो एक हफ्ते में आप गायब ही हो जाओगे।'

श्रीमान् जी का थोड़ा लड़का अपनी आयु के हिसाब से कुछ अधिक ही होशियार था। एक दिन घर आया तो उसके हाथ में लाइब्रेरी को एक पुस्तक थी-'बच्चों का पालन-पोषण।' उसकी मां ने आश्चर्य से पूछा-'क्यों मुन्ने, इस पुस्तक का आप क्या करोगे? मुन्ने ने जबाब दिया-'मैं इसे पढ़कर ये जानना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण उचित ढंग से किया जा रहा है की नहीं।'

कहानी — हमेशा सच बोलो

एक रात 4 स्कूल के लड़के पार्टी कर रहे थे। जबकि अगली सुबह उनका एग्जाम था। फिर भी वो लोग मस्ती कर रहे थे। पार्टी करते हुए जब सुबह हो गई तो परीक्षा नहीं देने के लिए वो लोग प्लान बनाने लगे। फिर परीक्षा शुरू होने के बाद वो लोग प्रिंसिपल के ऑफिस गए वहां सर से कहा हमें माफ करिये हमारी परीक्षा आप कुछ दिन बाद ले लो। क्यों की कल रत हम शादी में गए थे वहां से लौटते समय हमरी कार का टायर पंचर हो गया। पूरी रात कार को धक्का दे के घर तक लाये है। इसलिए हम कुछ तैयरी भी नहीं कर पाए। प्रिंसिपल सर ने उनकी दुःख भरी कहानी सुनी और उन लोगो को 3 दिन का टाइम दे दिया। वे सारे लड़के 3 दिन तक कड़ी मेहनत से तैयारी की और 3 दिन बाद परीक्षा देने गए। तो सबको अलग कमरे में बैठा दिया गया। वे इस बात से भी खुश थे की कोई बात नहीं हमने तो तैयारी कर ली है और अब आराम से पास हो जायेंगे। उन लड़कों के सामने जैसे ही प्रश्न पत्र आया तो उसमें बस एक ही सवाल पूछा गया था जो पूरे 100 नंबर का था। जिसमें पूछा गया गया था कि आपकी गाड़ी का कौन सा टायर पंचर हुआ था।

कहानी से सीख- परिस्थि चाहे जैसी भी हो हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए। क्यों की झूठ बोलने वाला और भी ज्यादा दलदल में फस जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मिथुन

यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क

किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

सिंह

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या

विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक

किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जोखिम न उठाएं।

धनु

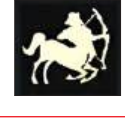

कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। रोजगार मिलेगा।

मकर

कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुम्भ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

मीन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड की भेंट

रणदीप हुड्डा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

बोले- उनका पीठ थपथपाना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पीएम से उन्होंने सरकार के दूरदर्शी नए ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर चर्चा की। साथ ही पीएम की एंटी ओबेसिटी ड्राइव पर भी बात की। यह मुलाकात भारतीय सिनेमा के विकास और कहानी कहने की ताकत के बारे में एक आत्मीय चर्चा का अवसर बनी जिसमें यह बात सामने आई कि सिनेमा कैसे हमारी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान को आकार देता है। इस दौरान मशहूर अभिनेता, निर्देशक और निर्माता रणदीप के साथ उनकी मां आशा हुड्डा और बहन डॉ. अंजलि हुड्डा भी मौजूद रहीं। पीएम से मिलकर रणदीप हुड्डा गदगद हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब उनकी पीठ थपथपाते हैं, तो वह उनके लिए अच्छा काम करने का सबसे बेहतर प्रोत्साहन होता है। रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ लिखा है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात रही। देश के भविष्य को लेकर उनकी दूरदृष्टि, जानकारी और विचार हमेशा प्रेरणादायक होते हैं। उनका पीठ थपथपाना हमारे लिए अपने संबंधित क्षेत्रों में अच्छा काम करते रहने और हमारे राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रणदीप हुड्डा ने आगे लिखा, मुलाकात के दौरान हमने सरकार के दूरदर्शी नए ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स के बारे में चर्चा की, जो विश्व मंच पर भारतीय आवाजों को बढ़ावा देने को तैयार है। यह हमारे लिए एक गौरवपूर्ण पारिवारिक क्षण था। रणदीप हुड्डा ने आगे कहा कि उन्होंने पीएम मोदी के मोटापा विरोधी अभियान और समग्र स्वास्थ्य की उनकी पहलों पर भी बातचीत और चर्चा की।

रूपाली से मैंने बहुत कुछ सीखा है : गौरव

बोले- मैं उसे अपना दोस्त नहीं कहूंगा

अनुपमा टीवी शो दर्शकों द्वारा बेहद पंसद किया जाने वाला शो है। इसकी खबरों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह रहता है। अब इस शो के पूर्व अभिनेता गौरव खन्ना ने रूपाली गांगुली के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि रूपाली को वह दोस्त नहीं बोलेंगे। हाल ही में टीवी अभिनेता गौरव खन्ना, सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में पहुंचे, जहां उन्होंने अनुपमा सीरियल के दिनों को याद किया और अनुपमा फेम रूपाली से अपने रिश्ते के बारे में बात की। बातचीत के दौरान गौरव ने कहा, 'मैं रूपाली को दोस्त नहीं बोलूंगा। रूपाली एक अद्भुत इंसान हैं जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। एक दोस्त वह होता है जिसे आप कभी भी कॉल कर सकते हैं और सब कुछ साझा कर सकते हैं। मैं किसी के साथ ऐसे रिश्ते में नहीं हूं, चाहे वह रूपाली हो या सुधांशु। यहां तक कि सुधांशु जी बोलना चाहिए । वह मेरी तरह बहुत आध्यात्मिक हैं। वह एक शानदार गायक हैं। मुझे बहुत खुशी है कि वह नए गाना लेकर आ रहे हैं। मैं उन्हें कहता था गायन मत छोड़ो।' आगे बातचीत के दौरान उन्होंने रूपली गांगुली से तकरार होने वाली बात पर कहा, 'तर्क होते हैं सीन को लेके क्योंकि हर कोई अपने-अपने विचार लेकर आता है और मैं इसका सम्मान करता हूं, क्योंकि वह एक मुख्य एक्टर होने के नाते शो को अपने कंधों पर उठाती हैं। वह अनुपमा शो का एक जाना माना चेहरा हैं। इसलिए अगर मैं जोर देता हूं कि सीन मेरे हिसाब से किए जाएं, तो यह गलत होगा और मैंने ऐसा कभी नहीं किया। विवाद होते थे कि इसको ऐसे कर लेते हैं, वो बोलेंगे ऐसे कर लेते हैं।'अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टीवी धारावाहिक भाभी से किया था। इसके बाद वो कुमकुम भाग्य, मेरी डोली तेरे अंगना और अनुपमा में नजर आए। अभी हाल ही में अभिनेता ने सेलेब्रिटी मास्टरशेफ इंडिया का खिताब जीता है।

सितारे जमीन पर में अमिर बनेंगे कोच

बोले- इस फिल्म में कॉमेडी है

आमिर खान जल्द ही अपनी नई फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आने वाले हैं। उन्होंने इस फिल्म में किरदारों के बारे में बताया है। उन्होंने बताया है कि इस फिल्म में उन्होंने एक खुदूस बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाई है। आमिर खान के चीन में कई फॉलोवर्स हैं। वह हाल ही में चीन पहुंचे और मकाओ कॉमेडी फेस्टिवल में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने फिल्म के बारे में बात की है।
चीन में एक फैन क्लब से बात करते हुए आमिर खान ने सितारे जमीन पर के बारे में कई खुलासे किए हैं। आमिर खान ने कहा सितारे जमीन पर लगभग तैयार है। यह फिल्म तारे जमीन पर की सीक्वल है। यह उससे 10 कदम आगे है। यह विकलांग लोगों पर बनी है। यह प्यार, दोस्ती और जिंदगी से ऊपर है। तारे जमीन पर फिल्म ने आपको रुलाया लेकिन ये फिल्म आपको हंसाएगी। यह कॉमेडी है लेकिन इसकी थीम एक जैसी है। आमिर खान ने फिल्म के बारे में कहा तारे जमीन पर में मेरा किरदार बहुत संवेदनशील था। इस फिल्म में मेरा किरदार इसके बिल्कुल उलटा है। मैं इसमें बहुत सख्त हूं। राजनीतिक तौर से गलत और हर किसी की बेइज्जती करने वाला बना हूं। मैं इसमें पत्नी और मां से झगड़ा करता हूं। मेरा किरदार इसमें बास्केटबॉल कोच का है जो अपने सीनियर को पीटता है। वह एक ऐसा आदमी है जो कई अंदरूनी परेशानियों से जूझता है। आमिर ने बताया कि फिल्म की कहानी इस बारे में है कि वह (खुदूस किरदार) कैसे बदलता है। कैसे दस लोग, जो विकलांग हैं, उसे सिखाते हैं कि एक अच्छा इंसान बनना क्या होता है। मूल रूप से यह एक स्पेनिश फिल्म है और हमने इसका भारतीय संस्करण बनाया है। आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर का निर्देशन आरएस प्रसन्ना ने किया है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख मुख्य किरदार में हैं।

अजब-गजब

ये है अनोखा समुदाय, इसमें नियम तोड़ने पर मिलती है सजा

यहां अपने बाल नहीं कटवा सकतीं लड़कियां

ये समुदाय रहता तो सामान्य लोगों की तरह है, लेकिन उनकी जीवनशैली, रीति- रिवाज बेहद अनोखे हैं। हर किसी के लिए इनका पालन करना आसान नहीं। धर्म से जुड़े नियमों का कठोरता के साथ पालन किया जाता है। इस समुदाय की लड़कियां आखिरी सांस तक अपने बाल नहीं कटवा सकतीं। शेव करने की इजाजत तक नहीं। नहाने की भी अनुमति नहीं। इतना ही नहीं, अगर कोई इस नियम को तोड़ता पाया गया तो उसे सजा दी जाती है। हम बात कर रहे अमेरिका में रहने वाले अमीश समुदाय की। हिन्दू धर्म में जन्म के कुछ महीनों या वर्षों बाद मुंडन का रिवाज है। लेकिन अमीश समुदाय में रहने वाली लड़कियां उम्रभर शरीर के किसी भी हिस्से के बाल नहीं कटवा सकतीं। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, अमीश समुदाय में पली-बढ़ी एक महिला ने खुलासा किया कि कैसे उसने 19 साल तक अपने बाल नहीं काटे और स्नान नहीं किया। 38 वर्षीय लिजी एन्स 18 भाई-बहनों के साथ अमीश समुदाय में रहीं। उनके नियमों का सख्ती से पालन करती थीं। उनके घर में न तो बिजली थी और न ही बहता पानी। उन्हें अपने सारे कपड़े खुद ही सिलने पड़ते थे। बाल काटने की इजाजत नहीं थी। सख्ती इतनी ज्यादा थी कि वह परेशान हो गई थीं। मगर एक दिन उनका प्रेमी उन्हें लेकर घर भाग निकला और अब वह सामान्य जीवन जी रही हैं। बालों को लेकर नियम इतने सख्त थे कि हाथ-पैर के बालों को भी आप साफ नहीं कर सकते। उन्हें ब्लीच नहीं कर सकते। पैरों के बाल छुपाने के लिए ऐसे कपड़े पहनने होते थे, जिनकी स्लीव्स लंबी होती थी। ज्यादातर लकियां लंबी बाजू वाले मोजे पहनती थीं, जो वह खुद सिलकर तैयार करती थीं। सिर के बालों को ऊपर जूड़े में बांधकर और उसे कपड़े से ढककर रखना होता था। क्यों बाल काटना इस समुदाय में शर्मनाक माना जाता है। लिजी एन्स ने बताया कि उन्हें नहाने की इजाजत नहीं थी, लेकिन ऐसा नहीं है। अन?य स्रोत से पता चलता है कि यहां की महिलाएं साबुन या सैंपू से अपने बाल धो लिया करती हैं। पसीने से निपटने के लिए डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बीते कुछ वर्षों में महि?लाओं को ढील मिली है। वे अब शेविंग कर सकती हैं। अमीश समुदाय के लोग आने-जाने के लिए घोड़ा और छोटी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप नशे में इन्हें नहीं चला सकते। ऐसा करने पर गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। हालांकि, यह दुर्लभ मामला है। क्योंकि इस समुदाय में किसी को भी शराब पीने की इजाजत नहीं। बच्चे खिलौनों से खेल नहीं सकते। लड़कियों के पास एक गुडिया होती है और उन्हें भी समुदाय के हिसाब से कपड़े पहनाए जाते हैं। तमाम मुसीबतों के बावजूद अमीश समुदाय के लोगों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। 1900 के दशक की शुरुआत में उत्तरी अमेरिका में लगभग 5,000 अमीश थे, आज यह संख्या 250,000 से अधिक है। अधिकांश अमीश समुदाय के भीतर ही रहते हैं, इसलिए जनसंख्या स्थिर रहती है और संख्या बढ़ती है।

क्रिकेट में लकड़ी के बल्ले का ही क्यों होता है प्रयोग, स्टील या प्लास्टिक बैट का क्यों नहीं?

क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का बुखार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। भारत की धमाकेदार परफॉर्मेंस ने सभी का दिल जीत लिया है। बैट हो या बॉल, खिलाड़ी दोनों ही तरीकों से कमाल की परफॉर्मेंस दे रहे हैं। बात अगर बैट की चली है, तो क्या आप ये बता सकते हैं कि क्रिकेट मैच में सिर्फ लकड़ी के बैट का ही प्रयोग क्यों होता है, स्टील, प्लास्टिक या किसी अन्य धातु से बने बल्ले का क्यों नहीं? आपके मन में भी अगर ये सवाल आया होगा, तो आप अकेले नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उनके जवाब देते हैं। कुछ सालों पहले किसी ने कोरा पर सवाल किया- क्रिकेट में लकड़ी के बल्ले का ही इस्तेमाल क्यों किया जाता है? सवाल रोचक लगा, इस वजह से आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि लोगों ने इस सवाल का क्या उत्तर दिया और विश्वस्नीय सोर्स इस सवाल पर क्या राय देते हैं। सबसे पहले जानते हैं कि लोगों ने क्या कहा। अनिमेष कुमार सिन्हा नाम के शख्स ने कहा-जी हां, क्रिकेट में लकड़ी के ही बैट का इस्तेमाल जरूरी है। पहले ये स्पष्ट नियम नहीं था, पर एक मैच में डेनिस लिली अपने दोस्त की कंपनी को प्रोमोट करने के लिए अलमुनियम का बैट लेकर आ गए। यह पर्थ टेस्ट मैच के दौरान 14 दिसंबर , 1979 को इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। इसके कुछ महीनों बाद लकड़ी के अलावा, किसी भी अन्य पदार्थ का क्रिकेट बैट निषिद्ध कर दिया गया। अब ये नियम है कि क्रिकेट के बैट का हत्था प्रमुखत: बेंत और/या लकड़ी का होना चाहिए। क्रिकेट के बैट का ब्लेड पूर्णत: लकड़ी का होना चाहिए। आपको बता दें कि ऊपर दिया गया उत्तर सही है। लॉर्ड्स वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार बैट दो हिस्सों में बंटा होता है। एक हैंडल होता है और दूसरा ब्लेड। हैंडल वो हिस्सा होता है जिसे खिलाड़ी पकड़ता है, वहीं ब्लेड वो हिस्सा होता है जिससे गेंद को मारते हैं। बैट के हत्थे को बेंत या लकड़ी से बना होना जरूरी है, वहीं ब्लेड पूरी तरह लकड़ी का होना चाहिए।

सत्ता का खुला दुरुपयोग कर रही भाजपा : चिदंबरम

» पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर उठाए सवाल

» कांग्रेस लड़ेगी और बीजेपी की साजिश को विफल भी करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मामले में पार्टी के रुख का जोरदार बचाव करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने के उद्देश्य से सत्ता का खुला दुरुपयोग बताया। चिदंबरम ने विस्तृत वित्तीय और कानूनी तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग या वित्तीय अनियमितता का कोई सबूत नहीं है और ईडी के आरोपपत्र को मुख्य विपक्षी दल को बदनाम करने के लिए सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान द्वारा किया गया राजनीतिक रूप से प्रेरित हमला करार दिया।

उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आज़ाद स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक हैं। इन प्रतीकों को संरक्षित और संजोना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड के पास है, जो 1937-38 में पंजीकृत एक कंपनी है और एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है। एजेएल के पास भारत में छह अचल संपत्तियां हैं। अकेले लखनऊ की संपत्ति एक स्वतंत्र रूप से स्वामित्व वाली संपत्ति है। दिल्ली, पंचकूला, मुंबई, पटना और इंदौर की अन्य संपत्तियां सरकार द्वारा इस शर्त पर आवंटित लीजहोल्ड संपत्तियां हैं कि संपत्ति बेची नहीं जा सकती।

कानूनी सलाह लेने के बाद किया गया एजेएल का पुनर्गठन

एजेएल को भारी नुकसान होने की बात पर प्रकाश डालते हुए चिदंबरम ने कहा, एजेएल और नेशनल हेराल्ड कर, वैधानिक बकाया और वेतन-भत्ते का भुगतान नहीं कर सके। एजेएल पर बकाया देनदारी बहुत बड़ी थी। 2002 से 2011 के बीच कांग्रेस पार्टी ने हस्तक्षेप किया और चेक के माध्यम से छोटे-छोटे किस्तों में 90 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया। इस राशि का उपयोग वेतन-भत्ते सहित बकाया देनदारियों का भुगतान करने में किया गया। चिदंबरम ने बताया कि कानूनी सलाह लेने के बाद एजेएल का पुनर्गठन किया गया था।

ईडी का मतलब एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट : कन्हैया कुमार

» बोले- जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को डराने और दबाने के लिए किया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता और एनएयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने जयपुर में केंद्र की भाजपा सरकार और उसकी जांच एजेंसियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नेशनल हेराल्ड केस को लेकर कहा कि यह न तो कानूनी मामला है, न ही इसमें कोई आर्थिक गड़बड़ी हुई है, बल्कि यह पूरी तरह से एक राजनीतिक साजिश है। कन्हैया ने आरोप लगाया कि इस केस के जरिए गांधी परिवार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है और यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। कन्हैया कुमार ने साफ कहा कि नेशनल हेराल्ड और इससे जुड़ी कंपनियां नॉन-प्रॉफिट संस्थाएं हैं, जिनसे कोई निजी लाभ नहीं कमाया जा सकता।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा द्वारा फैलाया गया यह झूठ कि कांग्रेस ने इस प्रॉपर्टी से हजारों करोड़ रुपये कमाए, पूरी तरह से निराधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकांश संपत्तियां लीज पर हैं और उनका न तो विक्रय हो सकता है और न ही उनसे किसी को निजी लाभ हो सकता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ईडी अब प्रवर्तन निदेशालय नहीं, बल्कि एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट बन चुकी है, जिसका इस्तेमाल सिर्फ विपक्षी नेताओं को डराने और दबाने के लिए किया जा रहा है। कन्हैया ने सवाल उठाया कि जो नेता भाजपा में शामिल हो जाते हैं, उनके सारे मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं, जबकि विपक्ष में रहने वालों के घरों पर छापे मारे जाते हैं।

भाजपा का एजेंडा कांग्रेस को खत्म करना

कन्हैया ने प्रधानमंत्री मोदी पर भी हमला बोला और कहा कि वे लगातार 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात करते हैं, लेकिन जब ये संभव नहीं हो पाया तो अब गांधी परिवार को निशाना बनाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह वही परिवार है जिसने देश की आजादी और लोकतंत्र के लिए जान की कुर्बानी दी है, लेकिन आज उसी पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

केंद्रीय अनुबंध में ईशान और श्रेयस की वापसी

» बीसीसीआई की जारी सूची में अश्विन, शार्दुल बाहर, पंत को हुआ फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीसीसीआई ने साल 2024-2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान कर दिया है। इस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी हैं। चार खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में रखा गया है। वहीं, छह खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया है। पांच खिलाड़ी बी ग्रेड और 19 खिलाड़ी सी ग्रेड में हैं। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में जगह मिली है। इन सभी को ग्रेड-सी में रखा गया है। वहीं ऋषभ पंत को फायदा हुआ है।

वह ग्रेड-बी से ग्रेड- ए में प्रमोट किए गए हैं। इस केंद्रीय अनुबंध की सबसे बड़ी खबर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर की इस सूची में वापसी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की ए+ श्रेणी में बरकरार रखा गया। वहीं अश्विन लिस्ट से बाहर हो चुके हैं। आवेश खान और शार्दुल ठाकुर पिछले एक साल में ज्यादा मैच नहीं खेल पाए और उन्हें लिस्ट से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी लिस्ट से बाहर हैं। रोहित, विराट और जडेजा टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन इन्हें ग्रेड-ए+ में बरकरार रखा गया है। यानी ये तीनों आगे कुछ समय तक बीसीसीआई के प्लान में होंगे।

इतनी मिलती है सैलरी

ए+ ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को सालाना सात करोड़, ए ग्रेड में पांच करोड़ और बी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये देता है।

केकेआर को मिली लगातार दूसरी हार

कोलकाता। गुजरात टाइटंस ने गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 39 रनों से हराया और शीर्ष पर अपना दबदबा मजबूत किया। गुजरात ने शुभमन गिल और साई सुदर्शन के अर्धशतकों से 20 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाए थे, जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी। इस सीजन यह पहली बार है जब केकेआर ने लगातार दो मैच गंवाए हैं। केकेआर की आठ मैचों में यह पांचवीं हार है और वह तीन जीत के साथ छह अंक लेकर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

11 डीएम समेत 33 आईएएसों का तबादला

» शिशिर की जगह विशाल सिंह बने नए सूचना निदेशक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 33 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। इनमें वाराणसी, हापुड़, आजमगढ़, बरेली, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, झांसी, महोबा, कुशीनगर, संतकबीरनगर व भदोही के जिलाधिकारी और वाराणसी के मंडलायुक्त बदले गए हैं। निदेशक सूचना शिशिर की भी जिम्मेदारी बदल दी गई है।

अब तक वाराणसी के डीएम रहे एस राजलिंगम को वाराणसी का मंडलायुक्त बनाया गया है। मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा को सचिव मुख्यमंत्री बनाया गया है। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव सत्येंद्र कुमार को वाराणसी का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।यह दूसरा मौका है, जब वाराणसी के डीएम को ही वाराणसी का मंडलायुक्त बनाया गया है। इससे पहले वाराणसी के डीएम रहे कौशलराज शर्मा को मंडलायुक्त बनाया गया था।

तीन आईपीएस और 24 पीपीएस का तबादला

लखनऊ। शासन ने 3 आईपीएस और 24 पीपीएस अफसरों का सोमवार देर रात तबादला कर दिया। मेरठ जोन के एडीजी डीके ठाकुर को यूपीएसएसएफ भेजा गया है, जबकि प्रयागराज जोन के एडीजी भानु भास्कर को मेरठ जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गृह सचिव डॉ. संजीव कुमार को प्रयागराज जोन का एडीजी बनाया गया है। डिप्टी एसपी अजीत कुमार सिंह को प्रतापगढ़ से नोएडा कमिश्नरेट, देवेंद्र कुमार को जालौन से बदायूं, बरेली पीएसी में तैनात विजय कुमार राना को एलआईयू, संजय कुमार को एलआईयू, बरेली से उन्नाव, गिरजा शंकर त्रिपाठी को बुलंदशहर से रायबरेली, गितेन्द्र सिंह कालरा को कुशीनगर से ईओडब्लू मेरठ, चंद्रकेश सिंह को मैनपुरी से पीटीसी सीतापुर और आशीष मिश्रा को बलिया से ललितपुर भेजा गया है। इसके अलावा जिलों मे व्यवहारिक प्रशिक्षण पूरा कर चुके 16 पीपीएस को जिलों और शाखाओं में नियमित तैनाती प्रदान की गई है।

बदले गये लखनऊ के नगरआयुक्त

इंद्रजीत सिंह नगर आयुक्त लखनऊ से विशेष सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग व निदेशक यूपीनेडा एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश रिनुवेबेल एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड बनाए गए हैं। गौरव कुमार मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक प्रयागराज से नगर आयुक्त लखनऊ, हर्षिका सिंह संयुक्त मजिस्ट्रेट चंदौली से मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक प्रयागराज बनाई गई हैं।

हम गलत कर रहे हैं तो उसे सुधारें : जीतनराम

» आरजेडी नेता पर केंद्रीय मंत्री ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को पाखंडियों का बाप कहा है। इस पर मांझी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चंद्रशेखर प्रोफेसर और विद्वान आदमी हैं, अगर उनके दिमाग यह बात आई है कि हम गलत कर रहे हैं तो उसे सुधारने का काम करें या फिर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने मुझे कहा ये बीजेपी के लोग हैं, तो क्या गलत लोग हैं?

भारत आर्थिक दृष्टिकोण से 11वें नंबर से 7वें पर आ गया है। अब तीसरे पर आने जा रहा है। मांझी ने कहा कि 2047 में हम पीएम के नेतृत्व में विकसित भारत की कल्पना कर रहे हैं। ऐसे में हम नहीं समझते कि धर्म या पार्टी के नाम पर कुछ भी कहना उचित है।

राहुल के बयान से महाराष्ट्र में बवाल

भाजपा का वार, शिवसेना यूबीटी का समर्थन

» आदित्य ठाकरे बोले- राहुल गांधी शत प्रतिशत सही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वर्ली से शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बोस्टन में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बारे में हाल ही में दिए गए बयान का समर्थन किया। गांधी का समर्थन करते हुए ठाकरे ने कहा, उनका बयान 100प्रतिशत सही है क्योंकि पूरी दुनिया जानती है कि चुनाव आयोग का संचालन भाजपा कार्यालय से होता है। मीडिया से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि मानसून का मौसम नजदीक आने के कारण सड़कों की मरम्मत का काम बहुत देर से और खराब तरीके से किया जा रहा है। ठाकरे ने सड़कों की खराब हालत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैंने भविष्यवाणी की थी कि एजेंसी के कारण लोगों को परेशानी होगी। यह अब सच हो रहा है।

आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि मानसून आने वाला है, लेकिन कंक्रीट का काम चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि हम चांद पर खड़े हैं। यह सड़क 15 दिन पहले बनी है। इसकी गुणवत्ता खराब है। एजेंसी ने केवल पैसे ऐंठने के लिए काम शुरू किया है। वही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया, जब कांग्रेस नेता ने बोस्टन में एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है कि राहुल गांधी विदेश जाकर इस देश के संविधान द्वारा बनाई गई संस्थाओं के बारे में झूठ फैलाते हैं और उसे बदनाम करने की कोशिश करते हैं। वे लोकतंत्र पर सवाल उठाने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि बार-बार चुनाव हारने के बाद जो परिणाम उन्हें भुगतने पड़े हैं, उसके कारण ही वे ऐसी हरकतें कर रहे हैं।

शरद और अजित एक पखवाड़े में तीसरी बार मिले

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार यह कृषि और चीनी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर चर्चा करने के लिए था। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि बैठक में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए एआई का लाभ उठाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, हमने चर्चा की कि कैसे एआई कृषि उत्पादन बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी फर्म इस क्षेत्र में पहल का समर्थन कर रही हैं। कृषि विभाग ने अपने कुछ चल रहे प्रयासों को भी साझा किया और चीनी उत्पादन को बेहतर बनाने के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई।हाल के हफ्तों में वरिष्ठ पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर, जिसकी शुरुआत उनके बेटे जय की सगाई से हुई थी, उपमुख्यमंत्री ने इन बैठकों के राजनीतिक महत्व को कमतर आंकते हुए कहा कि सगाई जैसे अवसरों पर परिवार एक साथ आते हैं, और उन्हें किसी अन्य परिप्रेक्ष्य से व्याख्या करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

चुनाव हार गए तो ऐसी हरकतें कर रहे राहुल गांधी : फडणवीस

राहुल गांधी जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उससे उनके चरित्र पर सवालिया निशान लग गया है। ऐसी हरकतें करने के बजाय अगर वे लोगों के बीच जाएं और लोगों का विश्वास वापस पाएं, तो वे चुनाव जीत सकेंगे। वे किसी को बदनाम करके चुनाव नहीं जीत सकते। अमेरिका के बोस्टन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हमारे लिए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है, सिस्टम में कुछ बहुत गड़बड़ है।

झारखंड-बिहार में 16 जगहों पर ईडी की छापेमारी

» बोकारो वन भूमि घोटाले के मामले में डाली दबिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को झारखंड और बिहार के विभिन्न जिलों में जमीन घोटाले मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है. जांच एजेंसी ने रांची, बोकारो, रामगढ़ सहित झारखंड और बिहार के कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की. बोकारो के मौजा तेतुलिया क्षेत्र में 103 एकड़ संरक्षित वन भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त और धोखाधड़ी से अधिग्रहण से जुड़ा मामला सामने आया है।

जमीन की खरीद में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और सरकारी नियमों की अनदेखी की बात भी सामने आई है। रांची स्थित हरिओम टावर बिल्डिंग में स्थित राजबीर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के कार्यालय पर भी ईडी की टीम ने छापा मारा। ईडी इस मामले में तमाम कंपनियों और व्यक्तियों की भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है। इसके साथ-साथ यह भी संभावना जताई जा रही है कि कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार, करीब 103 एकड़ वन भूमि की खरीद-बिक्री के आरोप को लेकर 2024 में बोकारो के सेक्टर-12 थाने में केस दर्ज किया गया था। जिसके बाद सीआईडी ने इसकी जांच शुरू की थी। सीआईडी की शुरुआती जांच में यह बातें स्पष्ट रूप से सामने आईं कि जमीन माफिया और बीएसएल के कर्मियों के द्वारा मिलकर जमीन की हेरा-फेरी की गई थी। इस गड़बड़ी में बीएसएल के द्वारा वन विभाग को प्रॉपर तरीके से जमीन का हैंडओवर नहीं किया जाना बताया गया था। इसके बाद ईडी ने इस मामले में अपनी तफ्तीश शुरू की।

हाईकोर्ट ने लगाई बाबा रामदेव को कड़ी फटकार

» शरबत जिहाद बयान पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बाबा रामदेव के शरबत जिहाद वाले बयान पर दिल्ली हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने कड़ा आदेश जारी करने की चेतावनी देते हुए कहा इससे न्यायालय की अंतरात्मा को आघात पहुंचा है, इसका कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने रामदेव का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया है। योग गुरु बाबा रामदेव ने तीन अप्रैल को अपने शरबत ब्रांड का प्रचार करते हुए हमदर्द कंपनी के शरबत पर विवादित टिप्पणी की थी।

हमदर्द के वकील ने अदालत को बताया कि हाल ही में पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए रामदेव ने दावा किया था कि हमदर्द के रूह आफजा से अर्जित धन का उपयोग मदरसे और मस्जिद बनाने में किया गया। बाद में, रामदेव ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने किसी ब्रांड या समुदाय का नाम नहीं लिया। हमदर्द का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह मामला अपमान से परे है और यह सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने का मामला है।वरिष्ठ वकील ने कहा, यह नफरत फैलाने वाला भाषण है। उनका कहना है कि यह शरबत जिहाद है। उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। वह हमें क्यों परेशान कर रहे हैं? चूंकि रामदेव के लिए मामले पर बहस करने वाले वकील उपलब्ध नहीं थे, इसलिए अदालत कुछ समय बाद मामले पर फिर से विचार करेगी।

'इस जन्म में बीजेपी बंगाल में सफल नहीं हो सकती'

» मुर्शिदाबाद हिंसा के बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि इस जन्म में बीजेपी बंगाल में सफल नहीं हो सकती। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा ममता बनर्जी को चुनौती नहीं दे सकती। यादव ने अपना हमला जारी रखते हुए यह भी कहा कि भाजपा भारत में कभी भी अकेले चुनाव नहीं जीत सकती। वे किसी के कंधे पर बंदूक रखकर ही जीत सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा सरकार नहीं बनाएगी, वहां वह राष्ट्रपति शासन के तहत शासन करना चाहती है। आपको बता दें कि बंगाल में सियासत जबरदस्त तरीके से तेज है। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर भाजपा ममता बनर्जी की सरकार पर हमलावर है।

जल्द ही लोग ममता सरकार को उखाड़ फेकेंगे : धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर तीखा हमला किया और उन पर धर्मनिरपेक्षता की आड़ में तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। मंगलवार को धामी ने कहा कि बंगाल में जिस तरह के मुद्दे हो रहे हैं, उससे पूरा देश आंदोलित है। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर ममता बनर्जी जिस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं, वह हमें 1947-48 की याद दिलाती है। एक चैनल से बात करते हुए धामी ने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि वे भूल गए हैं कि आज का भारत 1947 का भारत नहीं है। जल्द ही लोग ममता बनर्जी को उखाड़ फेकेंगे।

ममता बनर्जी पर भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही है।

दुबे के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम सुनवाई की तैयारी

याचिकाकर्ता बोले- अवमानना का चले केस

» अगले सप्ताह बहस होगी कई लोगों ने अटॉर्नी जनरल से मांगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयान से जुड़ी एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा। एक वकील ने याचिका दाखिल कर मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट मामले पर खुद संज्ञान लेकर सुनवाई करे। याचिका दाखिल करने वाले वकील नरेंद्र मिश्रा ने जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला रखा। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे पर अवमानना का मुकदमा चलाने के लिए कई लोगों ने अटॉर्नी जनरल से अनुमति मांगी है, लेकिन अभी तक उन्होंने फैसला नहीं लिया है।

नरेंद्र मिश्रा ने यह भी कहा कि निशिकांत दुबे के बयान के क्लिप सोशल मीडिया पर मौजूद हैं. लोग उससे प्रभावित होकर सुप्रीम कोर्ट के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। सरकार ने क्लिप को हटाने के लिए कुछ नहीं किया है। नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि उन्होंने एक याचिका दाखिल की है. इस पर जस्टिस गवई ने याचिका को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दिया। बता दें बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट की आलोचना करते हुए कहा था कि अगर कानून कोर्ट बनाएगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने चीफ जस्टिस संजीव खन्ना का नाम लेकर कहा था कि वह देश में गृह युद्ध के लिए जिम्मेदार हैं। इसे लेकर कई वकील चाहते हैं कि निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का मुकदमा चले।

संसद सर्वोच्च, इससे ऊपर कोई नहीं : धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम में कहा कि संसद देश की सबसे बड़ी संस्था है और चुने हुए सांसद ही तय करेंगे कि संविधान कैसा होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था संसद से ऊपर नहीं हो सकती। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा, एक बार कोर्ट ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना इसका हिस्सा नहीं है (गोलकनाथ केस के संदर्भ में), फिर दूसरी बार कहा कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा है (केशवानंद भारती केस के संदर्भ में)। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में बातचीत और खुली चर्चा बहुत जरूरी है। अगर सोचने-विचारने वाले लोग चुप रहेंगे तो इससे नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा,संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को हमेशा संविधान के मुताबिक बोलना चाहिए. हम अपनी संस्कृति और भारतीयता पर गर्व करें, देश में अशांति, हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना सही नहीं है, जरूरत पड़ी तो सख्त कदम भी उठाने चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।